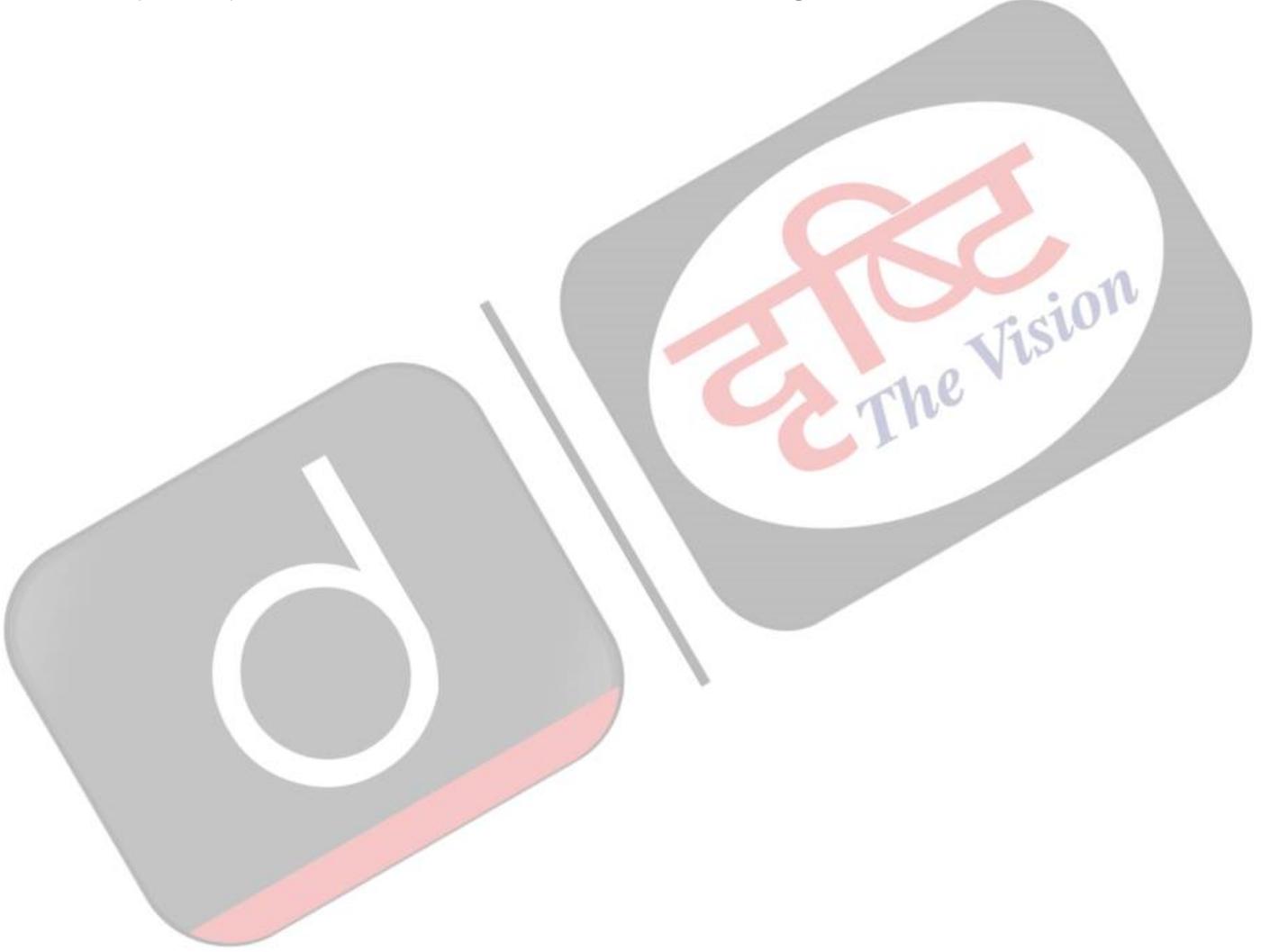




वशिव गौरैया दविस 2024

[स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड](#)

प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को [वशिव गौरैया दविस](#) मनाया जाता है, जो जैववधिता और पारस्थितिकि संतुलन बनाए रखने में गौरैया के महत्त्व पर प्रकाश डालता है।





वर्श्व गौरैया दविस 2024 की मुख्य वशैषताएँ क्या हैं?

- थीम: वर्ष 2024 में, वर्श्व गौरैया दविस की थीम- “Sparrows: Give them a tweet-chance!”, “I Love Sparrows” और “We Love Sparrows” है।
- इतहिस: वर्श्व गौरैया दविस की शुरुआत 20 मार्च 2010 को हुआ था। भारत में, इसकी शुरुआत नेचर फॉरएवर सोसाइटी द्वारा की गई थी।
- भारतीय संरक्षणवादी मोहम्मद दलिवर द्वारा स्थापति सोसाइटी का उद्देश्य [घरेलू गौरैया](#) और अन्य सामान्य पक्षियों के संरक्षण के महत्त्व पर बल देना अति आवश्यक है।

गौरैया के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- पारस्थितिकी तंत्र में जैवविविधता और पौधों के विकास के लिये गौरैया महत्त्वपूर्ण हैं। वे बीजों का उपभोग और उत्सर्जन करते हैं, पौधों के बीजों को फैलाने तथा वनस्पति को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।
- खतरा:
 - नविस स्थान के क्षरण, शहरीकरण और कृषिपद्धतियों में बदलाव के कारण गौरैया की आबादी वलुप्त हो रही है। घोंसला बनाने वाली

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा पक्षी नहीं है? (2022)

- (a) गोलडन महासीर
- (b) इंडियन नाइटजर
- (c) स्पूनबलि
- (d) व्हाइट आइबसि

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2018)

- 1. पक्षी
- 2. उड़ती धूल
- 3. वर्षा
- 4. बहती हवा

उपर्युक्त में से कौन-से पादप रोग फैलाते हैं ?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) 1,2, 3 और 4

उत्तर: (d)